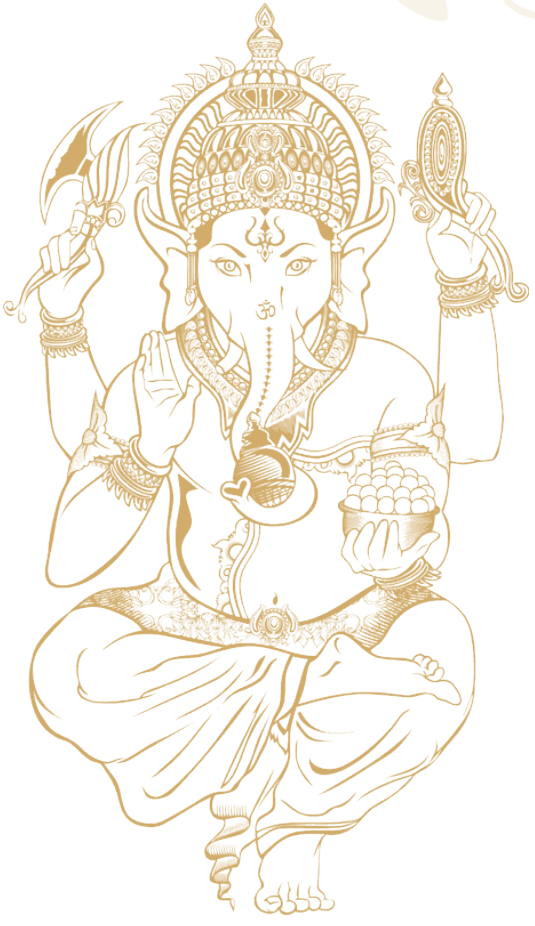

Hariom

22 Oct 1992

09:15 PM

Jahajpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121154706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/10/1992**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:15:00 घंटे**
इष्ट	36:49:28 घटी
स्थान	**Jahajpur**
देश	India

अक्षांश	25:38:00 उत्तर
रेखांश	75:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:15:34 घंटे
साम्पातिक काल	22:51:37 घंटे
सूर्योदय	06:31:12 घंटे
सूर्यास्त	17:54:51 घंटे
दिनमान	11:23:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:43:57 तुला
लग्न के अंश	01:31:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:31:33	337:47:11	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	05:43:57	00:59:45	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	22:13:32	14:39:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	25:56:42	00:22:49	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
बुध			तुला	27:46:50	01:17:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	08:45:17	00:12:15	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	09:46:56	01:12:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			मक	18:05:43	00:00:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	29:13:19	00:06:52	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:13:19	00:06:52	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	20:39:23	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:35:31	00:00:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:11:12	00:02:16	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	17:42:24	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:40

लग्न-चलित

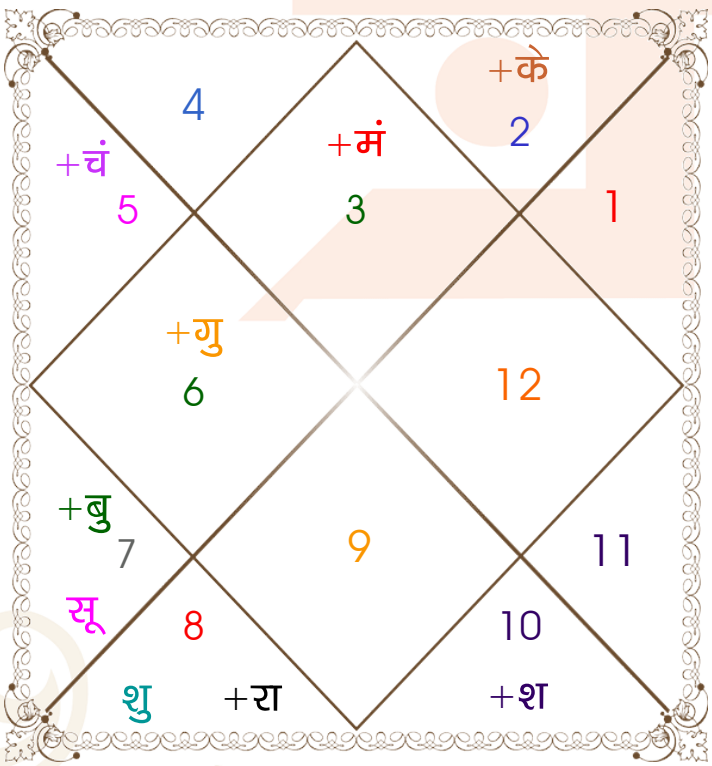

चन्द्र कुंडली

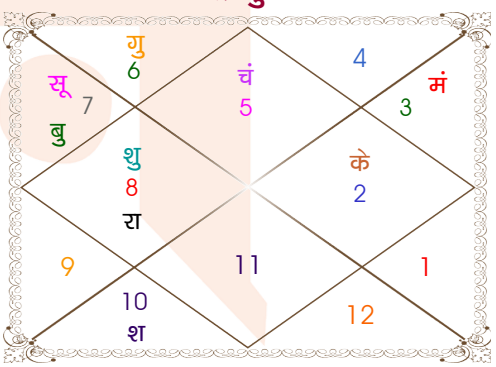

नवमांश कुंडली

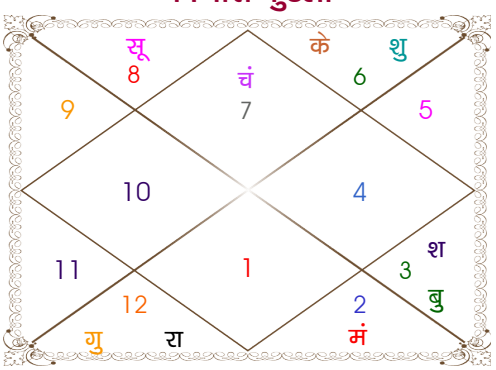

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 7 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/10/1992		22/06/1999		21/06/2005		22/06/2015		21/06/2022	
22/06/1999		21/06/2005		22/06/2015		21/06/2022		21/06/2040	
	00/00/0000	सूर्य	09/10/1999	चंद्र	21/04/2006	मंगल	18/11/2015	राहु	04/03/2025
	00/00/0000	चंद्र	09/04/2000	मंगल	21/11/2006	राहु	05/12/2016	गुरु	28/07/2027
	00/00/0000	मंगल	15/08/2000	राहु	21/05/2008	गुरु	11/11/2017	शनि	03/06/2030
	00/00/0000	राहु	09/07/2001	गुरु	20/09/2009	शनि	21/12/2018	बुध	20/12/2032
	00/00/0000	गुरु	28/04/2002	शनि	22/04/2011	बुध	18/12/2019	केतु	08/01/2034
	22/10/1992	शनि	10/04/2003	बुध	20/09/2012	केतु	15/05/2020	शुक्र	08/01/2037
शनि	22/06/1995	बुध	14/02/2004	केतु	21/04/2013	शुक्र	15/07/2021	सूर्य	02/12/2037
बुध	21/04/1998	केतु	21/06/2004	शुक्र	21/12/2014	सूर्य	20/11/2021	चंद्र	03/06/2039
केतु	22/06/1999	शुक्र	21/06/2005	सूर्य	22/06/2015	चंद्र	21/06/2022	मंगल	21/06/2040

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/06/2040		21/06/2056		22/06/2075		21/06/2092		22/06/2099	
21/06/2056		22/06/2075		21/06/2092		22/06/2099		00/00/0000	
गुरु	09/08/2042	शनि	25/06/2059	बुध	17/11/2077	केतु	17/11/2092	शुक्र	22/10/2102
शनि	19/02/2045	बुध	04/03/2062	केतु	14/11/2078	शुक्र	17/01/2094	सूर्य	22/10/2103
बुध	28/05/2047	केतु	13/04/2063	शुक्र	14/09/2081	सूर्य	25/05/2094	चंद्र	22/06/2105
केतु	03/05/2048	शुक्र	12/06/2066	सूर्य	22/07/2082	चंद्र	24/12/2094	मंगल	22/08/2106
शुक्र	02/01/2051	सूर्य	25/05/2067	चंद्र	21/12/2083	मंगल	22/05/2095	राहु	22/08/2109
सूर्य	21/10/2051	चंद्र	23/12/2068	मंगल	17/12/2084	राहु	09/06/2096	गुरु	22/04/2112
चंद्र	19/02/2053	मंगल	01/02/2070	राहु	07/07/2087	गुरु	16/05/2097	शनि	23/10/2112
मंगल	26/01/2054	राहु	08/12/2072	गुरु	12/10/2089	शनि	24/06/2098		00/00/0000
राहु	21/06/2056	गुरु	22/06/2075	शनि	21/06/2092	बुध	22/06/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।